

माँगने की आदत जाती नहीं | by Mukesh Bagda

जैसा चाहो मुझको समझना
बस इतना ही तुमसे कहना
माँगने की आदत जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

बड़े बड़े पैसे वाले भी तेरे द्वारे आते हैं
मुझको है मालूम के वो भी तुझसे माँग के खाते हैं
देने में तू घबराता नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो.....

तुमसे बाबा शर्म करूँ तो और कहाँ मैं जाऊँगा
अपने इस परिवार का खर्चा बोल कहाँ से लाऊँगा
दुनिया तो बिगड़ी बनाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो.....

तू ही करता मेरी चिंता खूब गुजारा चलता है
कहे पवन के तुझसे ज्यादा कोई नहीं कर सकता है
झोली हर कहीं फैलाई जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%97%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a6%e0%a4%a4-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-by-mukesh-bagda/>